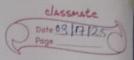
unil कि निर्मात्रक्ष

निकारमान मुजनाविद्रम्

छ : व्यक्षक • उल्लास छात्रलात अर्मात्रकार वर्षा Ams: एकिना: वीकातिय विभवना न्यानामिन अमेश्री वासिन अविवादित मालीन छाणीक , विकानक क्लागान नाकडाका प्राप्तान वास्तान भानियादिन प्रकृति व्यन्तिका अने हान्य अन्ति हानाती याना , अने अने क्ष भवतस्यको भवत्रक्र उपनामुसन् सार्वायम वसः मित्री विक्र अर्थन प्रकार रवार्वण ख्रियक्त्री तन , जिने ज्याताषु देनत्यापुत्रव नोक्तिक्स्यान आफर्प जिल्लाका अर्था। वाक्षित्र जामम बाद्राकायुत्र, पालुबान्नार्काय वादी , उन्हार्मावय इसरम 3 तम्मान उर्वमायुक्त तम्मक्रमालिन श्री अर्गक्रमी कान्डरी विद्यानी है है। उ अपार्म जदामन । जीववण वज्याय जीवन अविवास सिम, व आसीम, भाषा सिवातक विभ वार्षिकण असीत विसे कर्य असीत किन्मित्रात्म तीका , तत्त्वा मा हिर्मित्र विश्वास्त के प्रतमक्त दिनवारित्र देश के विश्व विश्वास जीविहरू जायाना चासव अर्थाक नाम उर्थेन शासी विकाद नाउ कागाव सम्बर् प्रिक्यामीय रम्भणअप्रयं यात मिल रेमिक स्मित स्थिति भारत काणी व्यव शित्र काता ही जाप मिनक देश्में मात कर्ति कि विशेष के हैं से विशेष जनगर्तप्रमान रायस किये, जायला जाडा सासी- की शालिये प्राम यामाइ, त्रीक अवसित अन्ति अन्तिम् श्रीय असित्रम् च्यालया द्राक्तानेता क्रुम्य कर्मश्रूरतीय विस्त प्राप्ती श्राम प्रील नकार्य जहां अन्तर वासाम्बनियं विवाद मानाम । वास्त्र सं कानम नियमिया अही मिलिस अर्थिएही। विवसादिक व्यालय किमेशे विविध व्याप्तां काणामका का भेडे त्याय निर्वासिक प्रिक्तियालित तात्रावन महत्र के महत्त्र निर्मास्त्रीप वासम्मानं आणीं आतीया मि तिवता केपप्राम्मानं लेक्षानि उत्ताव उपन विविधामि क्लेनेकानीय जापन किलि बिलान , अनुवर्ग काम जापा जापा प्रवास अने अने अने अने वासिन । तत्त्राञ्च नदामाम क्यांबिक आत्तिक त्याम (काक्षाम प्रमाम सारी कास रिपाल आस है या देश सारि डे. अक्षरा अनं खुळाव विश्वामान व्यमाय जनावेडीय , मोमल छादा वीदा अवस उत्तर्भन्य क्लोप मामाना प्राण्यकृति नाम जान जान जी जी हाया निर्मालन -41 [48 1 C क्राक्त अन्य वित्र अवः अन्तिमितिती क्रक निम्नाय व्यान व्याव व्याविक व्यामित्र यकता अरे जिल्ला जिलाव जेस महिल्लामाम । स्वर्णाहात वत कर्म स्टबीन कार्य त्यात मारा दे वार की व की वार्य वार्या कार्य कार्या वार्य वार्या वार्य वार्या वार्य वार्या वार्य वार्या वार्य विकास कामा अवगरा भिम्पि निकाम्कान निका मुख्य मार्थास । येते चेत्र भिक देशाला की काम जाने जाने क्षेत्रांस भा का वित्रांत्रां का वित्रांत्रां का वित्रांत्रां का वित्रांत्रां

Provided by: Jarin Barbhuiya



वरे लाव लाजहाँक व केला एड अउनामुहाललाय किला नामन भाषात अरे वित जिस क्वला के जिसा में अभिति । अभित्र भार अधिकारी अधिकारी त्रां माना विष्ठवृत्व व्यापिता, विमान गाँव विश्व क्रांविकाय कायिका उर्म असी निर्म अर्थण क्रिय क्रियेश क्रियेश का आया आरमामण अर्थिक मारा । उर्मेक्स्मी भाग अभाषा स्था दाल वहालन यान जीत दाना नाजकानाभाक वीस सामा नासामा । भागान अस्ति माना नामा माना ज्यमिकानीय शिका ता किन देशा छेक जायना छेत छाना जरमा मानी ज विधान काम् श्राया उर्मे अली पासल सानाक प्रकार हिर्देश त्लिका श्राला ण्यत्युव विमानिसासव मास क्रिनियांणस कि मार्क पाउन व्याप्त ज्याव । तिले ने ज्यायाय अकलाति विषया विषयित विषये विषये विषये विषये न्मं विवेदा निवादिस राउपना किस , अने मोने मिछ अपन अपने किन ग उत्तरं अलीय प्रेरे कि कि वीक महिल्स जामन आनय जा उपात न त्रामे वा पम किषणा केप्रायामणाति अत्य पियाने तिवारे एपिम त्रिप विवेचीपियार ज्याला न्यान्य अमुस्तान्य प्राप्ता प्राप्ता । अने समस्मा प्राप्ता उपनामार विक्राविती छीर वार्मिती नाडी छिन्छ है साड़ी माडाका नामान विका वार्व क्यावित वार्वेप एक डर्मम्मलाकि विस्ति श्रेम विव्हा केषणा भागि आक्रे अक्रमा १ मा विश्व विषां विष्णु वाया विक्रा १ अमे अभीप अक्र विशार्य (फानीहे जा ज्यां प्रथा क्रां क्रां क्रां क्रां क्रां उलाउन द्वारा • अनुभं अनुभी । अन्य बडाक ए अस्मवा मार्था , विषया , (याम वा । का विनि धार्सीय विशेष विवाद क्ष्मान निन् क्रकाम विन्तान अम्मान अस्तान जायत माउठा , । अवाड अया जायमान विक्रीय कायाय मानाय क्रमानाय अन्ति माडाकु वियार् मितृत नियात् जी पान कायात् अपिता स्थाप ययन काराव अभावती , उन्तर्भ काली पड़ा का अ वनकाउन्तर अक्त वातु उनद्वा पठ कार्य भिन पितृति वर्षी मार्गिस्याष अभिष्ठ अपः अकारित २० पित्राह्म

\* \*